



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



Cadaver Organ Donor

Lt. Sushil Ramchandra Sahu

Donated his: Heart, Kidney, Liver & Corneas

Date:- 28/01/2022

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

Odisha migrant worker is Surat's 40th heart donor

TIMES NEWS NETWORK

Surat: A 33-year-old migrant worker from Odisha became the 40th heart donor from the Diamond City. In death Sushil Sahu gave a new lease of life to six persons through his heart, kidneys, liver and corneas. His two lungs could not be transplanted as the receiver tested positive for Covid-19.

Sahu's heart was transplanted in a patient in Chennai while the kidneys and liver were transplanted into three persons at Ahmedabad.

The donation of corneas was accepted by Lokdrashti Eye Bank. The lungs were to be transplanted in a patient in Mumbai but the operation couldn't be performed.

As per the wish of Sahu's family his body was sent to Odisha through air by Dona-te Life with support from city municipal commissioner Banchhamidhi Pani.

Native of Aladi village from Ganjam in Odisha, Sahu was employed at a weaving unit at Sayan near the city. He fainted while working on January 26 as his blood pressure shot up. He was admitted to a hospital in Sayan. As his condition did not im-



Sahu's heart was transplanted in a patient in Chennai.

prove he was shifted to a hospital in the city.

Medical examination revealed that he had suffered brain haemorrhage and a blood clot had developed in his

brain. He was declared brain dead by the doctor. On being alerted, representatives of Donate Life approached the relatives of Sahu and convinced them for organ donation.

"They agreed to donate the organs and we could harvest them. It is the 40th heart donation of the city," said Nilesh Mandlewala, president of Donate Life.

Sahu is survived by his wife Pinky (28) and son Abhay (1). "We arranged to send the body of Sahu to his native so that his family can perform the last rites," said a Donate Life official.

So far, total 996 organs have been donated through Donate Life from the city and south Gujarat. Total 40 hearts, 418 kidneys, 178 livers, eight pancreas, 26 lungs, four hands and 322 corneas as have been donated. Total 909 persons got a new lease of life through these organs.

अंगदान
सूरत ने
40वां हृदय
दान किया

ओडिशा का 35 वर्षीय लूम्स वर्कर सुशील बीपी बढ़ने से ब्रेनडेर्ड हुआ, 221 मिनट में 1510 किमी दूर चेन्नई पहुंचाया दिल, 47 वर्षीय व्यक्ति में धड़का

सुशील सूरत के साथ उनमें लूप्स का रखाने में करता था काम, किडनी, लिवर, फेफड़े व आंखें भी दान की, 6 को दे गया नया जीवन

ठेला नियोंद्ध | तुम



मूल से असरित को २०वाँ हजार दिया गया। अंग्रेजों ने गोपनीयता के ३३ बाबूओं पर विशेष ध्वनि विकास करके उन्हें असरित बनाये थे। इन विकास से २२१ मिनट में १५०० लिंगों पर रुचि के प्रभाव असरित प्रशंसनीय रूप से बढ़ा। यहाँ कोई दृष्टि नहीं है कि दूसरी ओर विकास के ४७ वाबूओं व्याप्ति के बाहर नहीं है। इनकी विकास विधियाँ भी विविध, रिप्रो और असरी भी उन वर्ग के दौरान विविध तरीके से वर्तमान बनती हैं। इनकी अंग्रेजी विकास असरित विकास के लिए ही सबसे अविविध बनता रहा है। इनका सामान उत्तर और दक्षिण की ओर विकास के साथ-साथ

25 को लंड प्रेस बदलने से विवाद हआ था।

दिल्ली पर फैसला रखा अंग्रेज वाली गार्डनिंग लाई - मार्ट

मुस्लिमों के बहुत से ने सूचना दर्शक वर्षान के प्रयोग सुनिया चाहते रहा। उसके बाद संस्करण के लिए ने नव्य संस्करण की तरफ बढ़ावा दी जो अपने वर्तने और अपने कुरां, खाली नवीनताओं और वर्तने आवश्यक गए साथा भर अपनी कंपनी के लिए बदलती ही तृतीय के बर्दे ने काम के लिए इसका उपयोग किया।

संशील का शब्द एवं वर्णन से

मुख्य विषयों के बारे में एक अन्य विवरण यह है कि यह सभी विषयों के बारे में एक समावित प्रश्न ऐसा है जिसका उत्तर आपने क्षेत्रे में विभिन्न वर्तन के लिए दिया जाता है। इसके अलावा यह विषयों के बारे में एक समावित प्रश्न ऐसा है जिसका उत्तर विभिन्न वर्तन के सभी सूत्र प्रयोग के अनुसार दिया जाता है।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



सूरत से एक और हृदय का दान ओडिशा के ब्रेनडेड युवक के अंगों से पांच को नई जिंदगी

सूरत@पत्रिका. ब्रेनडेड व्यक्ति के हृदय दान का 40वां सामाजिक सरोकार सूरत में हुआ। मूलतः ओडिशा और सूरत के सायण निवासी 33 वर्षीय ब्रेनडेड युवक के परिजनों ने उसके अंगों का दान किया, जिससे पांच व्यक्तियों को नई जिंदगी मिली।

डोनेट लाइफ के स्थापक निलेश मांडलेवाला ने बताया कि सूरत में सायण में संचा खाता में काम करने वाला 33 वर्षीय युवक सुशील रामचंद्र शाहु की 26 जनवरी को ब्लड प्रेशर बढ़ने के साथ तबियत बिगड़ गई थी। उसे मूर्छित अवस्था में पहले सायण जरनल अस्पताल और फिर सूरत के निजी अस्पताल में भर्ती किया गया। यहां 27 जनवरी को चिकित्सकों ने उसे ब्रेनडेड घोषित किया। जानकारी मिलने पर निलेश मांडलेवाला और उनकी टीम ने सुशील के भाई सुनिल



समेत के परिजनों को अंगदान का महत्व समझाया और वे अंगदान के लिए सहमत हो गए। इसके बाद सुशील का हृदय 1610 किमी दूर का अंतर सिर्फ 221 मिनट में तय कर चेन्नई भेजा गया और यहां 47 वर्षीय युवक में ट्रांसप्लांट किया गया। वहीं, दोनों किडनियां अहमदाबाद निवासी 52 और 53 वर्षीय व्यक्तियों में ट्रांसप्लांट की गई। जबकि लिवर भावनगर के 44 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसप्लांट किया गया। वहीं, चक्षुओं का दान लोकदृष्टि चक्षु बैंक के डॉ. प्रफुल शिरोया ने स्वीकारा।



33 वर्षीय ब्रेनडेर्ड व्यक्ति का अंगदान, 221 मिनट में 1610 किमी की दूरी तय कर चेन्नई में हृदय प्रत्यारोपण

**बुनाई विभाग में
कार्यरत एक ब्रेनडेर्ड
युवक के अंगों के दान
से मानवता महक उठी**

लोकतेज संवाददाता

सूरत। ओडिशा के मूल निवासी और सायन में बुनाई विभाग में कार्यरत, ब्रेनडेर्ड सुशील रामचंद्र साहू उम्र 33 के परिवार ने डोनेट लाइफ के जरिए दिल, किडनी, लीवर और आंखें दान कर छह लोगों को नया जीवन दिया है। अंगदान से मानवता की सुगंध फैलाकर समाज को एक नई दिशा दी है। सूरत के बैंकर हार्ट इंस्टीट्यूट से चेन्नई तक 221 मिनट में 1610 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद चेन्नई के एमजीएम अस्पताल में 47 वर्षीय चेन्नई निवासी में हृदय प्रत्यारोपण किया। सूरत शहर पुलिस और राज्य के विभिन्न शहर और ग्रामिण पुलिस के सहयोग से दो ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण किया गया ताकि हवाई मार्ग से चेन्नई और किडनी और लीवर सड़क मार्ग से अहमदाबाद तक समय पर पहुंचा जा सके। सूरत नगर निगम के आयुक्त बंलानिधि पाणि के मार्गदर्शन में डोनेट लाइफ द्वारा अंगदाता सुशील के शरीर को एयर कार्गो के माध्यम से ओडिशा भेजा गया था।

ओडिशा के गंगम जिले के



अलाडी गांव का रहने वाला सुशील सायन में साई सिल्क नामक बुनाई विभाग में कार्यरत था। उच्च रक्तचाप के कारण बेहोश होने के बाद 26 जनवरी को उन्हें सयान जनरल अस्पताल ले जाया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें आगे के इलाज के लिए बैंकर हार्ट इंस्टीट्यूट, सूरत में भर्ती कराया गया। सीटी स्कैन करने पर ब्रेन हेमरेज के कारण मस्तिष्क में रक्त के थक्के का निदान हुआ। अगले दिन डॉक्टरों ने सुशील को ब्रेनडेर्ड घोषित करते हुए डोनेट लाइफ से फोन पर संपर्क कर सुचित किया।

डोनेट लाइफ की टीम अस्पताल पहुंची और बुनाई विभाग में कार्यरत सुशील के मालिक भावेशभाई मास्टर और सुशील के भाई सुनिल और अनिल तथा साला निलांचल और जीजा उमाकांत को अंगदान के महत्व और प्रक्रिया से अवगत किया। सुशील के भाईयों ने कहा

की हम रोजीरोटी के लिए ओरिस्सा से सूरत में आए हैं और जीते जी हमने किसी चीजवस्तु का दान नहीं किया है। हमारे ब्रेनडेर्ड भाई के शरीर के अंग अतिमिक्षिया के साथ जल जायेंगे। इस लिए परिवार के सदस्यों ने जरूरतमंद व्यक्ति में अंगदान के लिए मंजुरी दी। चेन्नई के एमजीएम अस्पताल में हृदय, फेफड़े मुंबई के सर एच.एन.रिलायन्स फार्मासी अस्पताल में, किडनी और लीवर अहमदाबाद की झायडस अस्पताल में और आंखों को सूरत की अस्पताल में दान किया गया।

सूरत और दक्षिण गुजरात से डोनेट लाइफ द्वारा 418 किडनी, 178 लीवर, 8 पेन्क्रीयास, 40 हृदय, 26 फेफड़े, 4 हाथ, और 322 चक्षुओं के साथ 996 अंगों और टीस्युओं का दान प्राप्त करके 909 लोगों को नया जीवन प्रदान करने में अहम भूमिका निभाई गयी है।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेर्ड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



गणतंत्र दिवस पर श्रमिक के परिवार ने दिखाई उदारता, सूरत में हृदयदान की 40वीं घटना

► श्रमिक परिवार के अंगदान निर्णय से 6 व्यक्तियों को नया जीवन प्राप्त हुआ

बीओटी संवाददाता
सूरत, 29 जनवरी

सूरत शहर की छवि औद्योगिक के बाद अब अंगदान के लिए भी अन्तर्राष्ट्रीय फलक पर मशहूर होती जा रही है। सूरत शहर में श्रमिक परिवार के अंगदान निर्णय से 6 व्यक्तियों को नया जीवन प्राप्त हुआ है, ऐसा इसलिए हो सका क्योंकि, गणतंत्र दिवस पर श्रमिक के परिवार ने उदारता दिखाई और हृदयदान की 40वीं घटना का सूरत साक्ष्य बना है। सूरत महानगर पालिका आयुक्त बंछानिधी पाणी की मदद के बाद पुत्र के अंतिम संस्कार को वतन में करने की इच्छा रखने वाले परिवार की मदद पार्थिव शरीर को एयरकागां के माध्यम से उड़िसा भेजकर की गई।

मामला यूँ है कि, सुशील रामचन्द्र साहू मूल उड़िसा गंजाम जिले के निवासी हैं। हालांकि पिछले काफी समय से शहर के



सायण ईलाके में रहकर लूप्स खाते में काम करते हुए अपने परिवार की आर्थिक रूप से मदद करते थे। उनके माता-पिता गांव में रहते हैं। गणतंत्र दिवस के दिन ब्लड प्रेशर बढ़ जाने के कारण वे बेहोश हो गए और स्थानीय अस्पताल से उन्हें सूरत की अस्पताल में ईलाज के लिए लाया गया। जहाँ पर दूसरे दिन जांच पड़ताल के बाद ब्रेन डेड घोषित किया गया।

इसके बाद सुशील के भाई सुनील और अनिल तथा बहनों डोनेट लाईफ के निलेश मांडलोवाला द्वारा अंगदान के महत्व को समझाया गया और इस प्रकार परिवार की सहमती

के बाद उनके अंगों का दान किया गया। जिसमें ग्रीन कोरीडोर बनाकर सूरत से चैन्नई की दूरी 1610 किमी की केवल 221 मिनिट में काटकर चैन्नई के एमजीएम अस्पताल में 47 व्यक्ति के अन्दर हृदय ट्रांसप्लान्ट किया गया। वहाँ फेफड़े मुम्बई भेजे गए, जबकि किडनी अहमदाबाद अस्पताल में 52 और 53 वर्षीय व्यक्तियों में तथा लीवर ट्रांसप्लान्ट भावनगर के 44 वर्षीय व्यक्ति में किया गया। हालांकि मुम्बई भेजे गए फेफड़ों का दान नहीं हो सका, क्योंकि जिस व्यक्ति में प्रत्यारोपण होना था, उसका कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आया।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

33 वर्षीय ब्रेनडे का हृदयदान, 221 मिनट में 1610 किमी की दूरी तय कर चेन्नई में हृदय प्रत्यारोपण

बुनाई विभाग में कार्यरत एक ब्रेनडे युवक के अंगों के दान से मानवता महक उठी

सूरत। ओडिशा के मूल निवासी और सायन में बुनाई विभाग में कार्यरत, ब्रेनडे सुशील रामचंद्र साहू उम्र 33 के परिवार ने डोनेट लाइफ के जरिए दिल, किडनी, लीवर और आंखें दान कर छह लोगों को नया जीवन दिया है। अंगदान से मानवता की सुगंध फैलाकर समाज को एक नई दिशा दी है। सूरत के बैंकर हार्ट इंस्टीट्यूट से चेन्नई तक 221 मिनट में 1610 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद चेन्नई के एमजीएम अस्पताल में 47 वर्षीय चेन्नई निवासी में हृदय प्रत्यारोपण किया। सूरत शहर पुलिस और राज्य के विभिन्न शहर और ग्रामिण पुलिस के सहयोग से दो ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण किया गया ताकि हवाई मार्ग से चेन्नई और किडनी और लीवर सड़क मार्ग से अहमदाबाद तक समय पर पहुंचा जा सके। सूरत नगर निगम के आयुक बंछानिधि पाणि के मार्गदर्शन में डोनेट लाइफ द्वारा अंगदाता सुशील के शरीर को एयर कार्गो के माध्यम से ओडिशा भेजा गया था।

ओडिशा के गंजम जिले के अलाडी गांव का रहने वाला



सुशील सायन में साई मिल्क नामक बुनाई विभाग में कार्यरत था। उच्च रक्तचाप के कारण बेहोश होने के बाद 26 जनवरी को उन्हें सयन जनरल अस्पताल ले जाया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें आगे के इलाज के लिए बैंकर हार्ट इंस्टीट्यूट, सूरत में भर्ती कराया गया। सीटी स्कैन करने पर ब्रेन हेमरेज के कारण मस्तिष्क में रक्त के थक्के का निदान हुआ। अगले दिन डॉक्टरों ने सुशील को ब्रेनडे घोषित करते हुए डोनेट लाइफ से फोन पर संपर्क कर सूचित किया।

डोनेट लाइफ की टीम अस्पताल पहुंची और बुनाई विभाग में कार्यरत सुशील के मालिक भावेशभाई मास्टर और सुशील के भाई सुनिल और अनिल तथा साला निलांचल और जीजा उमाकांत को अंगदान के महत्व और प्रक्रिया से अवगत किया। सुशील के भाईयों ने कहा की हम रोजीरोटी के लिए

ओरिस्सा से सूरत में आए हैं और जीते जी हमने किसी चीजबस्तु का दान नहीं किया है। हमारे ब्रेनडे भाई के शरीर के अंग अंतिमक्रिया के साथ जल जायेगे। इस लिए परिवार के सदस्यों ने जरूरतमंद व्यक्ति में अंगदान के लिए मंजुरी दी। चेन्नई के एमजीएम अस्पताल में हृदय, फेफड़े मुंबई के सर एच.एन.रिलायन्स फाऊन्डेशन अस्पताल में, किडनी और लीवर अहमदाबाद की झायडस अस्पताल में और आंखों को सूरत की अस्पताल में दान किया गया।

सूरत और दक्षिण गुजरात से डोनेट लाइफ द्वारा 418 किडनी, 178 लीवर, 8 पेन्क्रीयास, 40 हृदय, 26 फेफड़े, 4 हाथ, और 322 चक्षुओं के साथ 996 अंगों और टीस्युओं का दान प्राप्त करके 909 लोगों को नया जीवन प्रदान करने में अहम भूमिका निभाई गयी है।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

ऑर्गन डोनर सिटी सूत

33 साल के युवक का किया हृदयदान, चेन्नई में 221 मिनट में 1610 किमी की दूरी काटकर किया हार्ट ट्रांसप्लांट

सूत 29 जनवरी: कुनाई विभाग में कार्यरत एक ब्रेनडेड युवक के अंतों के दान से सम्पूर्ण हुए हैं। हृदय, शृंखला, यकृत और अंतों दान की ओर छह व्यक्तियों को पुनर्जीवन किया जाइशा के मूल निवासी और साथ में कुनाई विभाग में कार्यरत, ब्रेनडेड सुशील रामचंद्र साहू, (33) के परिवार ने डोनेट लाइफ के चेन्नई दिल, किडनी, लीवर और अंतों दान कर छह लोगों को नया जीवन प्रदान किया है। मानवता की सुधार फैलाकर समाज की एक नई दिशा दी है।

47 वर्षीय चेन्नई निवासी में चेन्नई के एप्पलीएण अस्पताल में सूत के फैक्टर हार्ट इंस्टीट्यूट से चेन्नई तक 221 मिनट में 1610 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद हृदय प्रत्याग्रेपण किया। सूत नारापुलिस और साथ के विभिन्न शरीर और गांव पुलिस के सहयोग से दो ग्रीन कारिंडोर का नियांग किया गया ताकि इसाई मार्म से चेन्नई तक ले जायें और लीवर गोड से अहमदाबाद तक समय पर पहुंचा जा सके। सूत नारापुलिस बंडलिंग पाणि के मार्गदर्शन में डोनेट लाइफ डाग्रा अंग दाता सुशील के शरीर के एवर कार्गो के माध्यम से ऑडिशा भेजा गया था।

ओडिशा के गंगाम ज़िले के अल्पाड़ी गांव का रहने वाला सुशील साथ में साईं लिंक नामक कुनाई विभाग में कार्यरत था। उच्च रक्तचाप के कारण बेहोश होने के बाद 26 जनवरी को उन्हें साथ जनरल अस्पताल ले जाया गया था। प्रार्थिक उपचार के बाद उन्हें आगे के इलाज के लिए



फैक्टर हार्ट इंस्टीट्यूट, सूत में भर्ती कर्यवा गया। जैन हेलेज से मरिंस्टक में रक्त के शक्ति का नियन्त्रण करने के लिए सीटी स्कैन किया। अगले दिन, डॉक्टरों ने सुशील को ब्रेनडेड धोषित करते हुए डोनेट लाइफ से फोन पर संपर्क किया और उसे सुशील को ब्रेनडेड के बारे में सूचित किया।

किडनी और लीवर SOTTO से Zydus Hospital, अहमदाबाद, NATTO हार्ट चेन्नई की MGM अस्पताल को, फैक्टर हार्ट एचएन रिटार्नेस फाउंडेशन अस्पताल, मुंबई को आवृद्धत किए गए थे। दान की यह दोगों किडनी अहमदाबाद निवासी 52 वर्षीय और अहमदाबाद निवासी 53 वर्षीय व्यक्ति में प्रतिरोधित की गई, अहमदाबाद के जाइडस अस्पताल में भव्यनार निवासी 44 वर्षीय व्यक्ति में लीवर प्रत्याग्रेपण किया गया। चेन्नई के एमजीएम अस्पताल



में चेन्नई निवासी 47 वर्षीय व्यक्ति का हृदय प्रत्याग्रेपण किया गया। जिस मरीज को मुंबई में फैक्टर हार्ट प्रत्याग्रेपण करना था, वह दान नहीं हो सका क्लोनिक मरीज की आरटीपीसीआर कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव थी। लोकपूरि चाकुर्बीक ने उक्तदान को स्वीकार किया।

चेन्नई और अहमदाबाद के दिल, किडनी और लीवर की समग्र पर डिलीवरी के लिए दो ग्रीन कारिंडोर बल्ले गए। जिसमें सूत नारपुलिस के साथ-साथ राज्य के विभिन्न शहर और इमोर्पा पुलिस का सहयोग मिला। अंग दाता सुशील के महात-पिता ओडिशा में रहते हैं जिससे उनका परिवार शब्द का उनके गृहनार ओडिशा में अतिव दर्शन कर सके इसलिए वह शब्द को दाह मंस्तकर के लिए अपने पैट्रुक ओडिशा ले जाना चाहते थे। सूत नारपुलिस स्टेशन के पुलिस उपचारक



के एक बलोलिया और पुलिस निरीक्षक जी के पाठेल के सहयोग से सूत से एवर कार्गो के माध्यम से अंग दाता सुशील के शब्द को ओडिशा भेजने के लिए 'एकओसी' जारी करने में सहायता की गई थी।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



બેઠનડેડ થયેલા 33 વર્ષના સંચા કામદારનું હાઈ, કિડની, લીવર, ફેકસાં અને આંખ ડોનેટ કરાયા

ગુજરાતમાંથી ડોનેટ થયેલા
58 હાઉસમાંથી 40 સુરતના

શ્રમિક યુવકના પરિવારે કહ્યું, બીજું કંઈ દાન કરી શકીએ તેમ નથી, એટલે અંગદાનથી કોઈ ઉત્તમ દાન ન હોઈ શકે

કિડની અમદાવાદના 2 આઇએડને, લીધર ભાવનગરના યુવકને, હાર્ટ ચેલ્નાઈના યુવકમાં જ્યારે કેક્સાં મુંબઈ મોકલાયા

प्राचीन विद्यालयों का नियमित अध्ययन करने वाले छात्रों की संख्या बहुत कम है। इसका अध्ययन करने वाले छात्रों की संख्या एवं उनकी विद्यालयों की संख्या निम्नलिखित तаблицा में दर्शायी गई है।

विद्यालयों की संख्या	छात्रों की संख्या
1	10
2	15
3	20
4	25
5	30
6	35
7	40
8	45
9	50
10	55
11	60
12	65
13	70
14	75
15	80
16	85
17	90
18	95
19	100
20	105
21	110
22	115
23	120
24	125
25	130
26	135
27	140
28	145
29	150
30	155
31	160
32	165
33	170
34	175
35	180
36	185
37	190
38	195
39	200
40	205
41	210
42	215
43	220
44	225
45	230
46	235
47	240
48	245
49	250
50	255
51	260
52	265
53	270
54	275
55	280
56	285
57	290
58	295
59	300
60	305
61	310
62	315
63	320
64	325
65	330
66	335
67	340
68	345
69	350
70	355
71	360
72	365
73	370
74	375
75	380
76	385
77	390
78	395
79	400
80	405
81	410
82	415
83	420
84	425
85	430
86	435
87	440
88	445
89	450
90	455
91	460
92	465
93	470
94	475
95	480
96	485
97	490
98	495
99	500

સામાજિક-સોષિયારી એવી ગ્રંથ મેકલાયા ? શૈલ કોરિન્સેન્સ લાલાપટ્ટા, ૨૨૧ મિલિટર્સાં ૧૬૧૦ કિગ્રી વિસ્તર કાઢ્ય.



प्राप्ति	क्रम संख्या	वर्ष
प्राप्ति	१०५	२०१८
प्राप्ति	१०६	२०१७
प्राप्ति	१०७	२०१६
प्राप्ति	१०८	२०१५
प्राप्ति	१०९	२०१४
प्राप्ति	११०	२०१३
प्राप्ति	१११	२०१२
प्राप्ति	११२	२०११
प्राप्ति	११३	२०१०
प्राप्ति	११४	२०१९

સુરતીઓ હવે ઓર્ગાન ડોનર તરીકે પણ ઓળખાઈ રહ્યા છે

સુરતથી ડોનેટ લાઈફને ૪૦મું હદ્ય દાન મળ્યું

મુજા ઓરિન્સાના હાલ સાયથમાં કામ કરતા ફોર્કિન્કડ સુરીલ રામયંદ સાહુના પરિવારે તેના હૃદય, હિડલી, લિપર અને ચક્કાઓનું દાન કરી છ વ્યક્તિઓને નવજીવન જરૂરું

2020-01-27

ઓરિંગ્સના નાની જીવિતખાના આચારી ગ્રામને રહેવાથી સુશીલ સાપુત્રમાં આવેલે સાઈટ સિકેન્ટ નામના વાસ્તવ ખાત્રમાં પ્રમ કરેલો હતો. જુદ્ધવાર તા. હ કાન્યુનારીના દોષ બ્લેડપ્રેસર વથી જીવાને પ્રાર્થણ તે એમાન પછી જાન તાત્કાલિક સાધારણ જીવનની લોસ્ટફિલ્ડ ઘણાં ઘણાં કરી પ્રાણભિક સારવાર આપ્યા બાદ બજુ સારવાર માટે તેને સુરતની બેંકર હાઈ ઇન્સ્ટિટ્યુટના ડૉ. મલેન સાવની સારવાર હંદળ ઘણાં હી સારવાર શરી કરવામાં આવી. નિધાન માટે સીદી સુને કરાવતા પ્રેરણ હેમરેજન કરાણે મરજાણા ઓછીને નજો જીવી નથી હોવાઈ નિધાન પણ વહુ.

यथा मुख्यवारे, ता.२७ शास्त्रावादीना रोज बिक्री हाट पर्याप्तीकृत्युक्ताना डोकटोरोंमें सूचीबद्ध जैसे अपेक्षा करना चाहे कर्ता उन्नीसीकृत्युक्ताना डो.भैरव याथे गोपनीय वार्षिकना व्यापार प्रभाव निवेदन घासलेखावालों देवीहोमेन्हो संपर्क करी मुख्यवारा अपेक्षा अधिकीनी ज्ञानावधी आया।

ડોનેટ કાર્બિની ટૈમે લોસ્ટિક્સ પણોવી સુર્યોત્તા તે
વાટાટાનામાં કામ કર્યો હતો તેના માર્કિં આવેશામાઈ
માટેચ સાથે રહી સુર્યોત્તાના બાઈ સુનીલ અને અનિશ્ચકુમાર,
સાજા નીચાંખાંચલ, બનેની ઉમાકંઈનાં અંશદારનું મહાન અને
તેની જામા પ્રક્રિયા સંઘર્ષી કરી જેને પગલ પદ્ધતિરના સખ્યા
અંગારન માટે અંતિમ ઘણા હતું.

દ્વારા હિન્દુ મિત્રીને અને વિષણુ અમદાવાદની જાહેર

આટલા લોકોને મળ્યું નવજીવન

ଦାନମାରେ ପେଶକାଳୀମାତ୍ରା ଆବେଳୀ ବେଳେ କିନ୍ତୁ ଦୂରପ୍ରାପ୍ତି
ଅବଧିଯାହନା ବେ ଦୟାବାସୀଭୋବେ, ଲିଖିବାରୁ ଦୂରପ୍ରାପ୍ତି
ଭାବନଗ୍ରହନା ରହିବାରୀ ଏହା ବ୍ୟାପି ବ୍ୟକ୍ତିମାନଙ୍କରାଥୀରେ
ପ୍ରାପ୍ତକୁ ଦୋଷକାରୀଙ୍କାମ୍ଭୀ, କହିଯାଉ ଦୂରପ୍ରାପ୍ତି ବେଳାରୀରେ
ରହିବାରୀ ଏହା ବ୍ୟାପି ବ୍ୟକ୍ତିମାନଙ୍କାମ୍ଭୀ ଅବଧିଯାହନେ
ପ୍ରାପ୍ତକୁ ଦୋଷକାରୀଙ୍କାମ୍ଭୀ କରିବାରୀ ଆବେଳୀ ଏହା ବ୍ୟାପି
ଦୂରପ୍ରାପ୍ତି କରିବାରୀ ଆବେଳୀ ଏହା ବ୍ୟାପି ଦୂରପ୍ରାପ୍ତି କରିବାରୀ
ଦୂରପ୍ରାପ୍ତି କରିବାରୀ ଏହା ବ୍ୟାପି ଦୂରପ୍ରାପ୍ତି କରିବାରୀ ଏହା ବ୍ୟାପି
ଦୂରପ୍ରାପ୍ତି କରିବାରୀ ଏହା ବ୍ୟାପି ଦୂରପ୍ରାପ୍ତି କରିବାରୀ ଏହା ବ୍ୟାପି

સુરતથી ડોનેટ લાઇફ્ હૃદયદાન વિશ્વાના દેશોમાં મોકલાવ્યું

સુરતમાંથી હોનેંટ લાઈટ લાગે ચાલીશી કંઈપણ દાન કરવામાં આવ્યા છે. સુરત પેનેટ લાઈટના માધ્યમથી રોધીએ અને અંતરદાખીએ સરદ અંગુઠાના સેવામાં મધ્યાત્મન દ્વારાન બેન્ચાન છે. સુરતની દાનના મોષિવામાં આવેલ હાલ દેસાની જીવા જીવાની જીવા કંઈલી, મૂલીએ, વેગાની, ઇન્ડાર્ટ અને અભિવ્યક્ત જીવા શરીરમાં ટ્રાન્સફર-એન્ડ કરવામાં આવ્યા છે. નારાજીએની અંગારના સેવામાં સરદ અંગુઠાની અભિવ્યક્ત પણ પોતાની અભિવ્યક્ત કરીની કરી છે. સુરતની દાનના મોષિવામાં આવેલ હાલ દેસાની જીવાની અભિવ્યક્ત પણ અને દાનના નાગીરિઓમાં મુશ્કેલ અને બેન્ચાનની લોસ્ટાયોન કરવામાં આવ્યા હતા. ટ્રાન્સફર-એની પ્રાયમાં સીટી નારીની અભિવ્યક્ત સરદ હાલે જીવાન કરનું હાલ તરીકે જીવાની પાણી રહ્યી રહ્યી છે.

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

ઓરિસસાવાસી બ્રેઈનડેડ શ્રમિકના અંગદાનથી છ વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું

સંચા ખાતામાં કામ
કરતા સુશીલ શાહુ લો
લભ પ્રેશર વધાતા
બેભાન હતા : સુશીલના
અંતિમ દર્શન તેના
માતા-પિતા કરી શકે તે
માટે મનપા કમિશનર
પાનીએ પાર્થીંબ શરીરને
એરકાગી મારફત વતન
મોકલવાની વ્યવસ્થા
કરી

ધબકાર પ્રતિનિધિ, સુરત, તા. ૨૮
સુરતના સાયાજી વણાટપાતામાં
કામ કરતા ઓરિસસાવાસી શ્રમિક
બ્રેઈનડેડ થતાં તેના પરિવારે સ્વજનના
હૃદય, ડિની, લિવર અને ચશુઓનું
દાન કરી છ વ્યક્તિઓને નવજીવન
આપી સમાજને નવી દિશા ચીધી છે.

ઓરિસસાના ગંજામ જિલ્લાના
અલારી ગામના વતની અને સુરતના
સાયાજી સ્થિત સાંચી સિલ્ક નામના
વણાટ પાતામાં કામ કરતા ૩૩ વર્ષીંય
સુશીલાઈ રામયંડ સાહુ ગત તા. ૨૮
જાન્યુ. એ બ્લાફ્રેશર વર્ષી જવાને
કારણે બેભાન થઈ ગયાં હતાં. જેથી
તાત્કાલિક સાયાજી જનરલ
છોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતાં, જ્યાં
માથભિક સારવાર આપ્યા બાદ વળ્યું
સારવાર માટે સુરતની બેન્કર હાઈ

ઓરિસસાવાસી બેન્કરન્ડેડ

ઈથ્યા વ્યક્તિ કરતા સુરત સ્કુ
કમિશનર બંધાનિધિ પાનીએ સુશીલના
પાર્થીંબ શરીરને એર કરી તેમજ સુરતનાં
રહેતાં પરિવારજનોને વિમાન મારકત
ઓરિસસા મેક્વલાની વ્યવસ્થા કરી હતી.

સ્વ. સુશીલની બંને ડિનીનું
દ્રાન્સપાલાન્ડ અમદાવાદના પર અને પત
વર્ષીંય વ્યક્તિઓમાં, લિવરસ્ટુન્ટાન્સપાલાન્ડ
નાવનગરના ૪૪ વર્ષીંય વ્યક્તિમાં
અમદાવાદની જાયડસમાં, હૃદયનું
દ્રાન્સપાલાન્ડ ચેન્નાઈના ૪૭ વર્ષીંય



ઈન્ક્લીટ્યુડમાં સારવાર અથે નસેડાયા શકે ?

હતાં, સિટી સેન્ટ કરાવતા બ્રેઈન બેમેજને કારણે મગજમાં લોઈનો.
ગઢ્યો જામી ગયો હોવાનું નિદાન થયું
હતું. તા. ૨૭ જાન્યુ.ના રોજ તથીબી
ટીમે સુશીલને બ્રેનડેડ આહે કર્યા
હતા. તથીબોઝે બેનેટ લાઇફ સંસ્થાને
જાણ કરતાં સંસ્થાની ટીમે સુશીલના
બાઈ સુનિલ અને અનિલ, સાગા અને
બનેવીને અંગદાનનું મહત્વ અને
તેની સમગ્ર પ્રક્રિયા સમજાવી હતા...
સુશીલના બાઈઓઝે જાણાયું કે,

આ અગાઉ ઓરિસસાના એક
વ્યક્તિનું સુરતથી અંગદાન થવાના
સમાચાર અમે ટીવીએ ઉપર જોગા હતા,
એટલે અંગદાન વિષે વાકેડ હોયે,
શરીર તો આપદે બળીને રાખ જ થઈ
જવાનું છે. અમે અન્ય કોઈ ચીજા
વસ્તુનું દાન કરી શકીએ તેના નથી.
પણ કોઈનું જીવન બચતું હોય તો અમે

આનાથી ઉત્તમ દાન બીજું શું હોઈ જ

પરિવારજનોની સંમતિ મળતા
બેનેટ લાઇફ દ્રાન્સ સેટ ઓર્ગન એ
ટીસ્પુ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ઓર્ગ.,
(SOTTO)નો સંપર્ક કરી અંગદાન
માટે જગ્યાયું હતું. જેથી SOTTO
દ્રાન્સ કિડની અને લિવર અમદાવાદની
જાયડસ હોસ્પિટલને, NOTTO
દ્રાન્સ હૃદય ચેન્નાઈની MGM
હોસ્પિટલને, ડેક્સા મુંબઈની સર
એ.ચ.એ.ન.ર.ટિલાયન્સ ફાઉન્ડન
હોસ્પિટલને કાગવવામાં આવ્યા હતા.
ચશુઓનું દાન સુરતની લોકડ્રાઇ
ચશુબેંક સ્વીકાર્યું હતું.

અંગદાન સુશીલના માતા-પિતા
ઓરિસસા રહે છે. તેઓ બધાલસોધા
દ્રાન્સ અંતિમ દર્શન કરી શકે તે
માટે તેના પરિવારજનોને તેના
પાર્થીંબ શરીરને તેના વતન ઓરિસસા
લઈ જઈને અંતિમ સંસ્કાર કરવાની
આનાથી ઉત્તમ દાન બીજું શું હોઈ જ

અનુ. પાણા ૭ પર

વ્યક્તિમાં ચેનાઈની અંકારોમ ઉલ્લા કરી છે. સુરત અને દાસ્તા
હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું હતું. ગુજરાતમાંથી બેનેટ લાઇફ દ્રાન્સ ૪૧૮
મુલીએમાં ફેક્સાન્નું ટ્રાન્સપાલાન્ડ જે દિનીમાં, ૧૯૮ લિવર, ૮ પેન્ડીલાસ, ૪૦
થવાનું હતું તેનો કોવિડ રિપોર્ટ પોર્ટિલિંપ
હૃદય, ૨૮ ડેક્સાં, ૪ લાય અને ઊરર
આવતા ફેક્સાન્નું દાન થઈ શક્યું ન હતું. ચશુઓ સહિત કુલ ૮૮૮ અંગો અને
અંગો સમયસર ચેનાઈ અને અમદાવાદ ટીસ્પુઓનું દાન મેળવીને ૬૦૮
પદોન્યાંદ્રાન્ડ. માટે બે ગ્રીન કોરિડોર વ્યક્તિઓને નવુંજીવન અને નવી ટ્રેડ
અન્નાવાયા હતા, જેમાં સુરત શહેર પોલોસ આપવામાં સહિતા મળી છે.
તેમજ રાજ્યના વિવિધ શહેર અને ગ્રામ
પોલોસનો સહકાર સાંસ્કૃત્ય હતો.

અંગદાનના કોત્રામાં સુરતે રાસ્ટ્રો-
અંતરરાષ્ટ્રીય સરારે આગવી આગવી

" જીતે જી રક્તદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયદાન..."



સુરતમાં હદ્યદાનની ૪૦મી ઘટના: શ્રમિકના પરિવારે અંગદાન કર્યું

ଶୁଦ୍ଧ, ତୀର୍ଥମୁଣ୍ଡ ପୋର୍ଟିଫିଲୋମ୍ ନିର୍ମାଣ କରିବାକୁ
ମୁହଁମୁହଁ ପାଇବାକୁମାତ୍ରା କରାଯାଇଥାଏ କାହାରେ କାହାରେ
କରିବାକୁ ଅନୁରୋଧ କରିବାକୁ କରାଯାଇଥାଏ କାହାରେ



अंगिरा यांनी तेला पर्टिवारे स्वतःपापा, असाई भाऊला क्रम ठेणु 33 वर्षांचे दृष्टव्य दिला. तिच्यावर अनेक यशस्वीनंदन घेणे वृत्तीयांसाठी नवाचाऱ्यांना यशस्वी यशस्वीले असाईवर वर्षे वरावर अपेक्षित ज्ञानावाहन दिला. यांनी यशस्वीला असाई वर्षे गवाचा आणि यशस्वीला असाई वर्षे गवाचा.

मात्र अन्यतर लैसेटमां प्राप्त वार्ता सुनित अने अंगठी, लक्षा अने वयस्तु कोंते असे अल्पाचा उपर्युक्त फ्रेशर आहे, तरी प्राप्तकिंवद मानवांनी अंगठालानुभावात अने तेणा विषु दु लाई जे गो?

www.sciencedirect.com · Journal of Macroeconomics · 30 (2008) 1–20

सायकुमा द्वापुना कुरबा नामा द्वाम कुरता ज्ञारस्तावासा ब्रह्मनद्य श्रामकुना पारव्यार स्वजृनना।

www.ijerph.org | ISSN: 1660-4601 | DOI: 10.3390/ijerph17030894 |

ହିନ୍ଦୁ କୁମାର, ଲକ୍ଷ୍ମୀ କାଳିତାମାଣ ପାଇଁ ଏହା ଏକ ବ୍ୟକ୍ତିଜୀବନ ନପରିବାର ଆଖ୍ୟା: ଶୁଭତଥା ଚନ୍ଦ୍ରାଙ୍ଗନ ୧୯୧୦ ଉଠିଲା ମୀନୁଙ୍କ ଅନ୍ତର ୨୨୧ ମିନିଟମାଂ କ୍ରାପିନେ ୪୭ ଵର୍ଷୀୟ ବ୍ୟକ୍ତିମାଂ ହିନ୍ଦୁଙ୍କ ଟ୍ରୋନ୍‌ସଲ୍‌ଲାଇଟ କରାଯାଇଥାଏ

क्रिएटर ने कहा कि वह अपनी भवित्व की जांच करता है। उसका लिया गया था कि वह अपनी जीवन की जांच करता है। उसका लिया गया था कि वह अपनी जीवन की जांच करता है। उसका लिया गया था कि वह अपनी जीवन की जांच करता है। उसका लिया गया था कि वह अपनी जीवन की जांच करता है।

© संस्कृतिका प्रकाशन द्वितीय

» ਫੇਲਾ ਪਾਲਾਨੁ ਥੋਥ

સુરતમાં હિંદુઓનાની રૂપમાં...
મુખદિપની જરૂર મેળવેની રિશાયનની
કાર્યક્રમની પ્રોટોટાઇપની કાર્યક્રમની
આજીએ કાર્ય અનુભૂતિની દ્વારા સુરતની
બોક્સાએ વિશેષજ્ઞતાએ દર્શાવી.

क्षमतावाला तो किसी नहीं। अन्यथा इसका अभ्यास करने पर अनेक बार उन्होंने एक विशेष अवधि अपनी जैविक संरचना का अध्ययन करना शुरू किया है। इसके अन्तर्गत अनेक दिनों तक विभिन्न अवधियों का अध्ययन किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत अनेक दिनों तक विभिन्न अवधियों का अध्ययन किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत अनेक दिनों तक विभिन्न अवधियों का अध्ययन किया जा रहा है।

ଅନ୍ତର୍ଜାଲକ କେମାନ୍ ମୁହଁତ ରାଶିକ-
ଅନ୍ତର୍ଜାଲକ କାହାର ଅନ୍ତର୍ଜାଲ
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

સુરતમાં હદ્દયદાનની ૪૦મી ઘટના: પ્રજ્ઞાસત્તાક દિને શ્રમિક પરિવારની દિલેરી

સાયકોમાં વશાટખાતામાં કામ કરતા ઓરિસ્સાવાસી બેઈનડે શ્રમિકના પરિવારે સ્વજનના હથય, કિડની, લિપર અને ચુંબુનોનું દાન કરી છ વ્યક્તિઓને નવજીવન આયું : સુરતથી ચેમાઈનું ૧૬૧૦ કિ.મીનું અંતર ૨૨૧ મિનિટમાં કાપીને ચેમાઈના ૪૭ વર્ષીય વ્યક્તિમાં હથયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ

中華書局影印



मानव भासिते रहते पर कहा गया है, जोकि अन्य संस्कृती की वास्तु द्वारा भी उपयोग में आयी है। यह एक उत्तम वास्तु है, जो अन्य वास्तुओं की तुलना में बहुत अचूक है।

બીજી પદ્ધતિને વિસ્ત માર્ગ ન મળીએ ચંદ્રશેખરની લક્ષ્યાની હી હી.

प्रत्येकाना विद्यार्थी को एक वर्षांनी अपेक्षा अधिक समय व्यतीत करने के लिए उपलब्ध आवश्यकता है। इसके लिए उपलब्ध विद्यालयों में से एक जगह चुना जाना चाहिए। यह विद्यालय एक प्री-विश्वविद्यालय हो सकता है। यहाँ अपेक्षा विद्यार्थी को एक वर्षांनी अधिक समय व्यतीत करने के लिए उपलब्ध विद्यालयों में से एक जगह चुना जाना चाहिए। यह विद्यालय एक प्री-विश्वविद्यालय हो सकता है। यहाँ अपेक्षा विद्यार्थी को एक वर्षांनी अधिक समय व्यतीत करने के लिए उपलब्ध विद्यालयों में से एक जगह चुना जाना चाहिए। यह विद्यालय एक प्री-विश्वविद्यालय हो सकता है। यहाँ अपेक्षा विद्यार्थी को एक वर्षांनी अधिक समय व्यतीत करने के लिए उपलब्ध विद्यालयों में से एक जगह चुना जाना चाहिए।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



સુરતમાંથી હૃદયદાનની ૪૦મી ઘટના

સુરતના યુવાનનું હૃદય ચેત્રાઈના રહેતા ૪૭ વર્ષીય વ્યક્તિમાં ધબક્ત કરાયું

(પ્રતિનિધિ દ્વારા)

ઓડિશાના વતની અને સાયણમાં સંચા ખાતામાં કામ કરતા બ્રેઇનડેડ યુવાને હૃદય, ડિની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરી છે

સુરત, શનિવાર

વ્યક્તિઓને નવજીવન બક્ષિને માનવતા મહેકાવીને સમાજને નવી દિશા બતાવી હતી. સુરતમાંથી હૃદયદાનની આ ૪૦મી ઘટના છે.

સુરતના સાયણમાં રહેતા અને બ્રેઇનડેડ જાહેર થયેલા ઓડિશાવાસી યુવાન સુશીલ શાહુના અંગદાનથી છ વ્યક્તિને નવુ જીવન મળ્યું

મુજા ઓડિશાના ગંગામના અલાડાના વતની અને હાલ ઓલપાડના સાયણ ખાતે ગોપાલ કમ્પાઉન્ડમાં રહેતો અને સાયણ ખાતે સંચા ખાતામાં કામ કરતા તું વર્ષીય યુવાન સુશીલ રામચંદ્ર શાહુ ગત તા. ૨૮મીના રોજ બ્લડપ્રેશર વધી જવાથી બેભાન થતા પ્રથમ સાયણની હોસ્પિટલ બાદ સુરતની ખાનગી હોસ્પિટલમાં ખસેડાયો હતો. તેમને બ્રેઇન હેમરેજ થતા મગજમાં લોહીનો ગડો જામી ગયાનું નિદાન થયું હતું. અને તા. ૨૭મીએ બ્રેઇનડેડ જાહેર કરાયો હતો.

ડેનેટ લાઈફની ટીમે તેના પરિવાર અને સંબંધીઓને અંગદાન અંગે સમજીવતા તેઓ સંમત થયા હતા. જેથી સુશીલનું હૃદય સુરત પોલીસની મદદથી શ્રીન કોરીડોર કરીને ૧૬૧૦ ડિ.મી દુર ચેનાઈની હોસ્પિટલમાં ૨૨૧ મિનિટમાં



પદ્ધોંચાડાયું હતું. અને ૪૭ વર્ષીય વ્યક્તિને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. જોકે, તેના ફેફસા મુંબઈમાં જે દર્દીને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવાના હતા તેનો કોવિડ રિપોર્ટ પોઝિટિવ અ. ૧. ૧. ૧. ટ્રાન્સપ્લાન્ટ થઈ શક્યું નહોતું. દાનમાંથી મળેલી ડિની પૈકી એક અમદાવાદ રહેતા બાવન અને ૫૩ વર્ષના બે વ્યક્તિમાં અને લિવર બાવનગરના ૪૪ વર્ષના આધેઇને અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. ચક્ષુઓનું દાન સુરતની લોકડ્રાસી ચક્ષુબેંકે સ્વીકાર્યું હતું.

અંગદાતા સુશીલના માતા-પિતા ઓડિશા રહેતા હોવાથી પોતાના પુત્રના અંતિમ દર્શન કરી શકે તે માટે પરિવારના

સભ્યોએ તેના પાર્થિવ શરીરને વતન ઓડિશા લઈ જઈ અંતિમસંસ્કારી ઈચ્છા વક્ત કરી હતી. જેથી ખુનિ. કમિશનર

માતા-પિતા વતન ઓડિશા રહેતા હોવાથી અંતિમ દર્શન અને અંતિમ સંસ્કાર માટે પાર્થિવ દેહ એરકાર્ગોમાં મોકલાયો

બન્ધાનિધી પાનીના માર્ગદર્શન ડેણ ડોનેટ લાઈફ હારા સુશીલના પાર્થિવ દેહને એર કાગી તેમજ તેમના પરિવારજનોને વિમાન મારફત ઓડિશા મોકલાયા હતા. સુશીલના પરિવારમાં પંચાવન વર્ષીય પિતા રામચંદ્ર ખેતીવાડી કરે છે. માતા મનું રામચંદ્ર (૩.૫૩), પત્ની પીન્ડી (૩.૨૮) અને સંતાનમાં દોઢ વર્ષનો પુત્ર અભય છે.



ઓરિસ્સાનાં બ્રેઇનડેડ સુશીલ સાહુએ દુષ્પ્રક્રિતને નવજીવન બદ્ધયું

■ હૃદય, કિડની, લિવર,
ચક્ષુઓનું દાન કરાયું:
સુરતમાં હૃદય દાનની
૪૦મી ઘટના

સુરત, તા. ૨૬: ટેક્સટાઇલ
અને ડાયમણ્ડ સીટી તરીકે
ઓળખાતું સુરત શહેર હવે દેશમાં
ઓર્ગન ડોનર શહેર તરીકે ખ્યાતિ
પામી રહ્યું છે. ઓરિસ્સાના વતની
અને સાયથમાં વણાટ ખાતામાં
કામ કરતા બ્રેઇનડેડ સુશીલ
રામચંદ્ર સાહુ ઉ.વ. ૩૩ના
પરિવારે ડોનેટ લાઈફના
માધ્યમથી તેના હૃદય, કિડની,
લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરી છે
વ્યક્તિઓને નવજીવન બખી,
માનવતાની મહેક ફેલાવી
સમાજને નવી દિશા બતાવી.

સુરતની બેંકર હાઈ
ઇન્સ્ટીટ્યુટથી ચેમાઈનું ૧૬૧૦
ક્રિ.મી.નું અંતર ૨૨૧ મીનિટમાં
કાપીને હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ
ચેમાઈના રહેવાસી ૪૭ વર્ષીય
વ્યક્તિમાં ચેમાઈની MGM



હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું.
હૃદય સમયસર હવાઈ માર્ગ ચેમાઈ તેમજ ડિડી અને લિવર
રોડ માર્ગ અમદાવાદ પહોંચાડવા
માટે બે થ્રીન કોરીડોર સુરત શહેર
પોલીસ અને રાજ્યના વિવિધ
શહેર અને ગ્રામ્ય પોલીસના
સહકારથી બનાવવામાં આવ્યા.

ઓરિસ્સાના ગંગામ
જિલ્લાના અલાડી ગામનો
રહેવાસી સુશીલ સાયથમાં
આવેલ સાંઈ સિલ્ક નામના વણાટ
ખાતામાં કામ કરતો હતો.
જુધવાર તા. ૨૬ જાન્યુઆરીના

રોજ બ્લાફ્ફેસર વધી જવાને કારણે
તે બેભાન થઈ જતા તાત્કાલિક
સાયથ જનરલ હોસ્પિટલમાં
દાખલ કરી પ્રાથમિક સારવાર
આયા બાદ બ્રેઇન હેમરેજને
કારણે મગજમાં લોહીનો ગઢો
આમી ગયો હોવાનું નિદાન થયું
હતું. પરિવારજનો તરફથી
ઓરિસ્સાના ગંગામ
જિલ્લાની સંમતિ મળતા નિલેશ
માંડલેવાલાએ દાનમાં મેળવવામાં
આવેલી બંને ડિડીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ
અમદાવાદના રહેવાસી બાવન
અને ત્રેપન વર્ષીય વ્યક્તિમાં,
લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ભાવનગરના

રહેવાસી ૪૪ વર્ષીય વ્યક્તિમાં
હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ચેમાઈના
રહેવાસી ૪૭ વર્ષીય વ્યક્તિમાં
જ્યારે મુંબઈમાં ફેફસાનું
ટ્રાન્સપ્લાન્ટ જે દર્દીમાં કરવાનું હતું
તે દર્દીનો કોવીડનો RTPCRનો
રીપોર્ટ પોઝિટિવ આવતા ફેફસાનું
દાન થઈ શક્યું ના હતું.

સુરતમાંથી ડેનેટ લાઈફ દ્વારા
ચાલીસ હૃદયના દાન કરાવવામાં
આવ્યા છે. અંગદાતા સુશીલના
માતા-પિતા ઓરિસ્સા રહે છે તેઓ
પોતાના વ્હાલસોયા દીકરાના
અંતિમ દર્શન કરી શકે તે માટે તેના
પરિવારજનોએ તેના પાર્શ્વિક
શરીરને તેના વતન ઓરિસ્સા લઈ
જઈને અંતિમ સંસ્કાર કરવાની
ઈચ્છા વ્યક્ત કરતા સુરત
ચુનિસિપલ કમિશનર બંધાનિધિ
પાનીના માર્ગદર્શન હેઠળ ડેનેટ
લાઈફ દ્વારા અંગદાતા સુશીલના
પાર્શ્વિક શરીરને એર કાગ્યા તેમજ
તેમના પરિવારજનોને વિમાન
માર્ગકત ઓરિસ્સા મોકલવામાં
આવ્યો હતો.



સુરત શહેરમાંથી 40મી વખત હદ્યનું દાન કરાયું

સાયણના લૂભ્સ કારીગરનાં અંગોના દાનથી છ વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું

ખુ. કમિશનરના સહયોગથી યુવકનો મૃતદેહ હવાઈ માર્ગ ઓરિસ્સા મોકલાયો

| સુરત |

સાયણના ઓરિસ્સાવાસી બેઈનડેડ લૂભ્સના કારીગરના હદ્ય, ડિઝની, લિવર અને ચાલુઓનાં દાનથી છ વ્યક્તિને નવી જિંદગી મળ્યી છે. સુરતથી ઓરિસ્સાવાસી યુવકનાં અંગોનું દાન થયું હોવાના સમાચાર ટીવી પર જોયા બાદ જાગૃત થયેલા આ યુવકના પરિવારે તેના અંગોનું દાન કરવાનો નિર્ભય લીધો હતો.

મુજન ઓરિસ્સા, ગંજામનો વતની સુશીલ રામચંદ્ર શાહ (ઉ.વ. ૩૩) ઓલપાડ રોડ પર ગોપાલ કમ્પાઉન્ડમાં રહેતો હતો અને સાયણ ખાતે સાંઈ સિલ્ક નામના લૂભ્સ કારખાનામાં કામ કરતો હતો. દરમિયાન તા. રહમીએ બ્લાડપ્રેશર વધી જતા સુશીલ બેભાન થઈ ગયો હતો. તેની સ્થાનિક હોસ્પિટલમાં પ્રાથમિક સારવાર કરવાં બાદ વધુ સારવાર માટે ખાનગી હોસ્પિટલમાં ખસેડાયો હતો. તથીબી તપાસ દરમિયાન બેઈન હેમરેજને કારણે મગજમાં લોહીનો ગડો જામી ગયો હોવાનું નિદાન થયું હતું. ત્યારબાદ બીજી દિવસે તેને બેઈનડેડ ઘોષિત કરાયો હતો. ડેનેટ લાઈફની ટીમ હારા સુશીલના



પરિવારને અંગદાનનું મહાવ સમજાવાયું હતું. જોકે, ભૂતકાળમાં સુરતથી એક ઓરિસ્સાવાસી યુવકનાં અંગોનું દાન કરાયું હોય તેના વાકેક સુશીલના પરિવારના સભ્યો તેના અંગદાન માટે ત્વરિત રજી થયા હતા.

ડેનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાએ જણાવ્યું હતું કે, દાનમાં મળેલી બંને ડિઝનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદના પર અને પદ વર્ષાય વ્યક્તિમાં, લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ભાવનગરના ૪૪ વર્ષાય વ્યક્તિમાં તેમજ હદ્યનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ચેમનીના ૪૭ વર્ષાય વ્યક્તિમાં કરાયું હતું. મુખ્યમાં ફેફસાંનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ જે દાદીમાં કરવાનું હતું, તેનો કોરોનાનો

રિપોર્ટ પોઝિટિવ આવતા ફેફસાંનું દાન થઈ શક્યું નહોતું. જ્યારે ચાલુઓનું દાન લોકદાન ચાલુબેંકના ડૉ. પ્રફુલ શિરોયાએ સ્વીકાર્યું હતું. અંગદાતા સુશીલના માતા-પિતા ઓરિસ્સા રહે છે. તેમો પુત્ર સુશીલના અંતિમ દર્શન કરી શકે તે માટે પરિવારજનોએ તેના પાર્વિવ શરીરને વતન ઓરિસ્સા લઈ જઈ અંતિમસંસ્કાર કરવાની ઈચ્છા વ્યક્ત કરી હતી. જેથી મનપા કમિશનર બંધાનિષિ પાનીના માર્ગદર્શનમાં ડેનેટ લાઈફ હારા અંગદાતા સુશીલના પાર્વિવ શરીરને હવાઈ માર્ગ વતન મોકલાયો હતો. સુશીલને સંતાનમાં દોડ વર્ષાય પુત્ર છે. સુશીલ માતા-પિતાનો એકમાત્ર આપાર હતો.

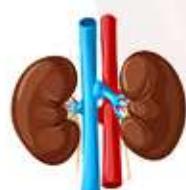


News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

DATE: JANUARY, 2006 TO 21ST JANUARY, 2022



**416
KIDNEY**



**177
LIVER**



**39
HEART**



**26
LUNGS**



**08
PANCREAS**



**320
CORNEA**



**04
HANDS**

**TOTAL 986 ORGANS & TISSUES DONATED,
ALONG WITH 04 HAND DONATION**

**which has given New Life & Vision to 903 PERSONS
ACROSS COUNTRY & GLOBE.**

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."